

ग्रस(भारण

EXTRAORDINARY

भाग **II--सण्ड** 3---**उपस**ण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

(fo 62]

म**ई दिल्ली, शनिवार, मार्च 15, 1975/फाल्गुन 24, 189**6

No. 62]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 15, 1975/PHALGUNA 24, 1896

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में एका जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhl, the 15th March 1975

G.S.R. 150(E).—In exercise of the powers conferred by Section 18 of the Additional Emoluments (Compulsory Deposit) Act, 1974 (37 of 1974) the Central Government hereby directs that any power which may be exercised by it under sub-sections (2) and (3) of Section 20 of the said Act, in so far as they relate to,

- (i) inspection of books of account and other books and papers, maintained by an employer to whom the Act applies;
- (ii) making or causing to be made copies thereof; and
- (iii) placing or causing to be placed any marks of identification there on, in token of the inspection having been made;

shall also be exercisable by every Regional Provident Fund Commissioner specified in column (2) of the First Schedule to the Additional Emoluments Compulsory Deposit (Employees other than Employees of Government and Local Authorities) Scheme, 1974, within the jurisdiction specified against him in column (3) of that Schedule.

[No. 1(4)-CD/74]

JOHN INNOCENT, Jt. Secy.

वित्त मंत्रालय

(भ्राविक कार्य विभाग)

श्रधिसू चना

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1975

सा० का० कि० 150(अ).—-प्रतिरिक्त उपलब्धियां (प्रनिवार्य निक्षेप) प्रधिनियम, 1974 (1974 का 37) की धारा 18 द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए कन्द्रीय सरकार निदेश करती है कि ऐसी कोई मक्ति जो उक्त प्रधिनियम की धारा 20 की उपधारा (2) और (3) के प्रधीन, जहां तक वह,

- (i) ऐसे नियोजक द्वारा जिसे ग्रिधिनियम लागू होता है, रखी गई खाता-बहियों ग्रीर ग्रन्थ बहियों तथा कागज-पत्नों के निरीक्षण;
- (11) उनकी प्रतियां बनाने या बनवाने; श्रीर
- (iii) निरीक्षण किए गए के प्रतीक स्वरूप उन पर किन्हीं पहिचान चिन्हों के लगाने या लगवाने;

से संबंधित है, केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रयुक्त की जा सकती है, वह श्रितिरिक्त उपलिब्धियां (श्रिनिवार्यं निक्षेप) (सरकार श्रीर स्थानीय प्राधिकारयों के कर्म चारियों से भिन्न कर्म चारी) स्कीम, 1974 की प्रथम श्रनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्टि प्रत्येक क्षेत्रीय भविष्य निधि श्रायुक्त द्वारा भी, उक्त श्रनुसूची के स्तम्भ (3) में उसके नाम के सामने विनिर्दिष्ट श्रिधकारिता के भीतर, प्रयोक्तवः होंगी।

[सं० 1(4)ग्र०नि०/74]

जॉन इन्नोसेंट, संयुक्त सचिव ।